समस्या-समाधान

हर कर्म का मिलता है फल

ब्र.कु. सूरज भाई,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

प्रश्नः एक बार भगवान ने नारद जी से पूछा कि तुम तीनों लोकों में घूमते रहते हो तुमने कभी कोई ऐसी घटना देखी है, जिसने तुम्हें असमंजस में डाल दिया हो।

जवाबः नारद जी ने कहा प्रभु वैसे तो मैं घूमता रहता हूं, पर कल जो मैंने देखा वह मुझे सच में असमंजस में डाल दिया। कल मैं एक जंगल से गुजर रहा था, एक गाय दलदल में फंसी हुई थी। एक चोर उधर से गुजरा और उसने देखा कि एक गाय दलदल में फंसी है उसकी मदद के बजाय वह उसके ऊपर से पैर रखकर दलदल को पार कर गया और जब वो आगे गया तो देखा असर्फियों से भरा थैला उसे मिल गया। मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि ऐसा कर्म करने के बाद ऐसा फल कैसे प्राप्त हुआ, फिर मैंने देखा की एक वृद्ध साधु उधर से गुजर रहा है, उसने देखा की गऊ माता दलदल में फंसी हुई हैं सन्यासी वृद्ध थे फिर भी उन्होंने अपने पूरे शरीर की ताकत लगाई और गऊ माता को बाहर निकाल लिया। कुछ दूर जाकर सन्यासी एक गड्ढे में गिर गया। उन्हें शरीर के कई हिस्सों में चोट लगी। बहुत तकलीफ देखकर मुझे आश्चर्य हुआ ये कैसा न्याय है। अच्छे कर्म का अच्छा फल मिलना चाहिए। तब से मैं इसी असमंजस में हूं। प्रभु ये क्या न्याय है, ये कैसी लीला है प्रभु। और वो मुस्कुराए कहा कि जो चोर है उसकी किस्मत में बहुत ढेर सारा खजाना लिखा था। उसने ऐसा पाप कर्म किया तो उसका खजाना सिमट कर एक पोटली बन गई और वृद्ध सन्यासी है, उसकी किस्मत में मृत्यु लिखी थी। उसने अच्छा कर्म कमाकर उसकी मृत्यु की घटना टल गई। उसकी चोट में बदल गई मनुष्य जो अच्छे कर्म करता है, उसका फल अच्छा ही मिलता है। माना कई लोग बहुत अच्छे कर्म करते हैं फिर भी कष्ट में रहते हैं। कुछ लोग पाप कर्म करते हुए भी अच्छा जीवन जीते हैं ये सब कर्मों की फिलॉसफी होती है।

प्रश्न : ऐसी जो भी चीजे हैं सच में बहुत गुह्यता लिए हुए होती हैं और हमारी चिंतन को भी गुह्य बना देती हैं?

उत्तर : हमारे पास भी ऐसे कई प्रश्न होते हैं। लोग पूछते रहते कि जब से बाबा के बने हैं तब से बाधाएं कुछ ज्यादा हो गई हैं। हम तो पहले ही ठीक थे। कई ऐसे हुए कि मैंने ये अच्छे-अच्छे काम किए और हमारे सामने ये बुरा परिणाम आ गया। इसकी गति बहुत ही अच्छा परमात्मा की तरफ से उत्तर था उसके लिए जो पाप का बोझा था वो कम हो गया है पुण्य कर्मों का जो फल था वो उसके लिए कुछ असर्फियों में तदबीर हो गया सचमुच कर्मों की गति कहीं भी अविश्वास की आवश्यकता नहीं है और ये आटोमैटिक जब मैं इसमें गहराई से विचार करता हूँ, इसमें कोई शक्ति लेनदेन कर ही नहीं रही है। ये आटोमेटिक क्योंकि जो हम कर्म करते रहते है उसकी शक्ति हमारे ब्रेन में प्रिंट होती रहती है जब वो रियेक्ट करती है वो उसका परिणाम होता है ये कोई चेंज नहीं कर सकता इसलिए सूक्ष्म गति को जानते हुए ये हमें सोचना चाहिए हमेशा जो कुछ मेरे साथ हो रहा है बिलकुल ठीक हो रहा है मुझे उसे सहन कर लेना है आगे मुझे अच्छे कर्म करने है ताकि भविष्य हमारा अति सुन्दर हो जाए।

प्रश्न : ईश्वर और भाग्य को हम दोष देते रहते है कि मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ या इसके साथ ऐसा क्यों हुआ तो ईश्वर भाग्य वाली बात नहीं सीधा-सीधा हमारे कर्मों से छुड़ा है।

उत्तर : एक्चुवली ईश्वर का तो इससे कुछ नाता भी है ही नहीं जैसे की मैंने कहा न ये बिलकुल आटोमैटिक है नहीं तो भगवान बहुत बड़ा ऑफिस खोलना पड़े। वासतव में ये बहुत बड़ा आटोमैटिक है। भाग्य हम उसे ही कहते हैं जो हमने कर्म किया उसका फल हमें जो मिला उसे ही हम भाग्य कह देते है जिसने अच्छे कर्म किए हैं उसे सब जगह अच्छा अच्छा मिल रहा है। लोग कहते बड़ा भाग्यवान व्यक्ति है जिसने बुरे कर्म किये हो भले ही अब वह अच्छा हो उसे सब बुरा -बुरा हो रहा है लोग कहते आदमी तो बहुत अच्छा लेकिन भाग्य कैसा लेकर जन्मा है तो वैसे ये आगे पीछे के कर्म हमारे वर्तमान पर इफेक्ट करते रहते है हमें वर्तमान समय में अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाना ही चाहिए।

पाकिस्तान से आए श्रद्धालुओं का किया स्वागत

रायपुर में संत राजाराम साहेब का वर्सी महोत्सव मनाने हर साल आते हैं श्रद्धालु

शिव आमंत्रण, रायपुर। ब्रह्माकुमारीज़ के रायपुर शांति सरोवर कैंपस में पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए श्रद्धालुओं के दल के स्वागत में कार्यक्रम आयोजन किया गया। प्रमुख शदाणी दरबार के वर्तमान गुरु संत युधिष्ठिर महाराज सहित अन्य श्रद्धालुओं का यहां स्वागत किया गया।

बता दें कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शदाणी दरबार में वहां के संत राजाराम साहेब जी का 58वां वर्सी महोत्सव मनाने हर साल छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंचते हैं। इस वर्सी महोत्सव में शामिल होने के लिए देश-प्रदेश के हजारों हिंदू भाईयों के अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत से कई हिंदू सम्मिलित होते है। इसी के चलते गुरु संत युधिष्ठिर महाराज एवं पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए श्रद्धालु सेवाकेंद्र पहुंचे। कार्यक्रम में गुरुसंत युधिष्ठिर महाराज ने अपने वक्तव्य में संस्था की प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी से वर्ष 2008 में हुई मुलाकात का अनुभव सांझा किया।

शदाणी दरबार के गुरुसंत युधिष्ठिर महाराज ब्रह्माकुमारी संस्थान से प्रतिवर्ष बहनों को प्रवचन के लिए बुलाते हैं। इस दौरान क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के साथ का अनुभव सुनाया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीटा ने सिंधी भाषा में ब्रह्मा बाबा की पूरी जीवन कहानी और वर्तमान समय का महत्व बताया।

पाकिस्तान से आए श्रद्धालु अपने विचार व्यक्त करते हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित पाकिस्तान के सिंध से आए श्रद्धालु।

पुणे में कार्यशालाः स्ट्रेस और स्लीप मैनेजमेंट के बताए टिप्स

शिव आमंत्रण, पुणे। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा सेना के जवानों को तनाव प्रबंधन और जीवन जीने की कला सिखाने के लिए पुणे के तलेगांव स्थित सीआरपीएफ कैंप में कार्यशाला आयोजित की गयी थी। दो दिन तक चली इस कार्यशाला में दिल्ली से आए प्रभाग के सदस्य कमांडेंट शिवसिंह ने स्लीप मैनेजमेंट एवं मैनेजिंग चैलेंजिंग सिचुएसन, मुंबई से बीके सरला ने स्ट्रेस मैनेजमेंट, बीके बिंदिया ने पॉजीटिव थिंकिंग विषय पर जानकारी दी और बीके बलराम ने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई व्यायाम कराए। इस मौके पर को-ऑर्डिनेटिंग ऑफिसर डॉ. सचिन गायकवाड़, डीआईजी एसएम सहित 60 से अधिक जवान मौजूद थे।

ईश्वर तक पहुंचने का सशक्त माध्यम है संगीतः गायक अनूप

शिव आमंत्रण, वाराणसी। एक निजी कार्यक्रम के दौरान भजन सम्राट अनूप जलोटा दो दिवसीय प्रवास पर धर्मनगरी काशी पहुंचे। इस दौरान श्रीराम नगर कॉलोनी सेवाकेंद्र ब्रह्माकुमारी सरोज ने गायक जलोटा से मुलाकात कर आध्यात्मिक ज्ञान की चर्चा की। जलोटा ने चर्चा में कहा कि गीत और संगीत ईश्वर से मनुष्य को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। परंतु वर्तमान दौर में गीतों के बदलते स्वरूप से समाज विचलित हो रहा है। ऐसे वक्त में जरूरत है कि सारगर्भित और आध्यात्म से ओतप्रोत गीत-संगीत को बढ़ावा दिया जाए। इस दौरान ओएन उपाध्याय और बीके चंदा भी उपस्थित रहीं।

सृष्टि का आधार है नारीः मंत्री

शिव आमंत्रण, सोनीपत। ब्रह्माकुमारीज के माडल टाऊन सेवाकेंद्र की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिला एवं बाल विकास मंत्री कविता जैन ने कहा विश्व शांति के लिए जरूरी है कि महिलाओं को समानता का अधिकार प्रदान किया जाए। परिवार-समाज-राष्ट्र की खुशहाली के साथ सृष्टि का आधार नारी है। महिलाओं ने सदैव अपनी भूमिका को सार्थक किया है। महिला प्रभाग की अध्यक्षा बीके चक्रधारी, ज्ञानामृत पत्रिका की सह संपादिका बीके उर्मिला, बीके रामदेवी, डॉ. कमलेश मलिक, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उषा मोरवाल मौजूद रहीं।

पत्र व्यवहार का पता

संपादकः ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला-सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो. 9414172596, 9413384884
Email:
shivamantran@bkivv.org,
bkkomal@gmail.com

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
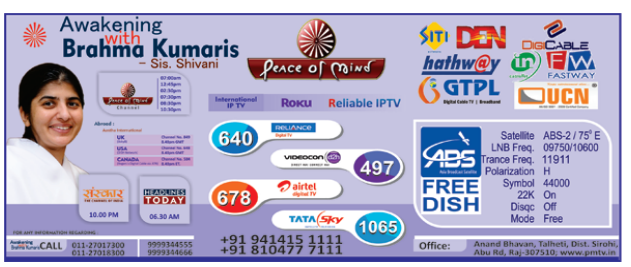
वार्षिक मूल्य : 90 रुपए, **तीन वर्ष :** 260 व **आजीवन :** 2200 रुपए